

Chhindwara University, Chhindwara (M.P.)

Syllabus of M.A. Semester - I

Subject – Sociology

Session – 2022-2023

Name of paper	Title of Paper	Max. Marks			Minimum Marks			Total Marks
		Theory	CCE	Practical	Theory	CCE	Practical	
Theory – I	Classical sociological Tradition-I	40	10	-	15	4	-	50
Theory – II	Methodology of Social Research-I	40	10	-	15	4	-	50
Theory – III	Rural Society in India-I	40	10	-	15	4	-	50
Theory – IV	Urban Society in India-I	40	10	-	15	4	-	50
Total Marks								

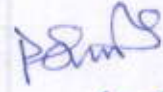
Board of studies –

I. Chairman – डॉ. जी.एल. तलवारे –

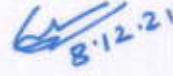

08/12/2021

II. Members –

1. डॉ. प्रतिभा श्रीवास्तव –



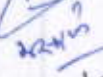
2. डॉ. सीमा श्रीस्वतव –


8.12.21

3. डॉ. प्रमिला वाधवा –



4. डॉ. मंजु सराफ –



5. डॉ. सुनीता जैन –


8/12

6. डॉ. निधि ठाकुर –



छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा (म.प्र.)

M.A. SOCIOLOGY

Semester – I

Paper I : Classical Sociological Tradition-I

शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परंपराएं-I

M.M. – 40

Unit I – History of Socio-Economic background of Emergence of Sociology
Comte's Hierarchy of Science, Brief History of development of
Social Thought, Industrial Revolution.

इकाई 1 – समाजशास्त्र के उद्भव का सामाजिक आर्थिक इतिहास, काम्टे का विज्ञानों का संस्तरण,
सामाजिक चिन्तन के विकास का संक्षिप्त इतिहास , औद्योगिक क्रांति।

Unit II – Karl Marx- theory of Social change, Economic determinism,
Dialectical materialism, Materialistic interpretation of different ages.

इकाई 2 – कार्ल मार्क्स, सामाजिक परिवर्तन का सिद्धांत, आर्थिक निर्धारणवाद, द्वंद्वात्मक भौतिकवाद,
विभिन्न युगों की भौतिकवादी व्याख्या।

Unit III – Emile Durkhiem – Intellectual background, Mechanical and Organic
Solidarities, increasing division of Labours, Social disintegration.

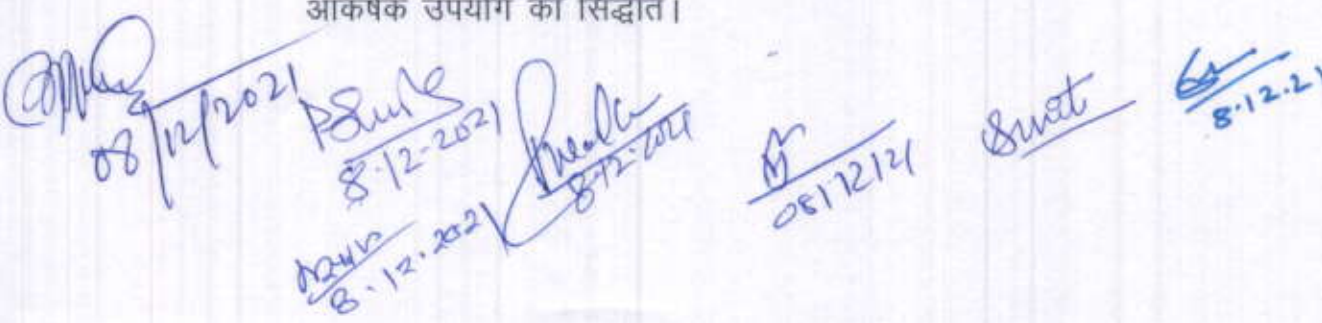
इकाई 3 – ईमाइल दुर्खीम : बौद्धिक पृष्ठ भूमि, यान्त्रिक व सावयवी एकता, श्रम विभाजन, सामाजिक
विघटन।

Unit IV – Max Weber- Intellect background Anlysis of Modern Capitalism,
theory of Authority, Social Action, Protestent Ethis and rise of
capitalism.

इकाई 4 – मेक्स वेबर– बौद्धिक पृष्ठभूमि, आधुनिक पूंजीवाद का विश्लेषण सत्ता का सिद्धांत, सामाजिक
क्रिया, प्रोटेस्टेन्ट आचार और पूंजीवाद का विकास।

Unit 5 – Intellectual background, Theory of Leisure Class, Theory of Social
change, Theory of conspicuous, Consumption.

इकाई 5 – थर्सटीन वेबलिन–बौद्धिक पृष्ठभूमि, विलासी वर्ग का सिद्धांत, सामाजिक परिवर्तन का सिद्धांत,
आकर्षक उपयोग का सिद्धांत।

Handwritten signatures and dates at the bottom of the page, including dates like 08/12/2021 and 8-12-2021.

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा (म.प्र.)

M.A. SOCIOLOGY

Semester – I

Paper II : Methodology of Social Research-I

सामाजिक अनुसंधान की पद्धतियां -I

M.M. – 40

Unit I – Concepts of method and methodology, Techniques of Social Research, Meaning and nature of Social Research.

इकाई 1 – पद्धति एवं पद्धतिशास्त्र की अवधारणा, अनुसंधान की प्रविधियां, सामाजिक अनुसंधान का अर्थ एवं प्रकृति।

Unit II – Scientific method in social science, Types of Social Research, Research design, basic steps in Social Research.

इकाई 2 – सामाजिक विज्ञान में वैज्ञानिक पद्धति, सामाजिक अनुसंधान के प्रकार, अनुसंधान अभिकल्प या परिकल्प (डिजाईन) सामाजिक अनुसंधान के चरण।

Unit III – Nature of Social Reality and Approaches, methodological Perspectives in Sociological Theory, Logic of Inquiry in Social Research.


इकाई 3 – सामाजिक यथार्थ की प्रकृति एवं उपागम, सामाजशास्त्रीय सिद्धांत में पद्धतिशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य (दृष्टिकोण), सामाजिक अनुसंधान में अन्वेषण का तर्क।


Unit IV – Inductive and Deductive Logic, Theory Building, Reliability and Validity, Significance of Hypothesis in Social Research, Objectivity.

इकाई 4 – आगमन एवं निगमन तर्क, सिद्धांत निर्माण, विश्वसनीय एवं वैधता, सामाजिक अनुसंधान में उपकल्पना का महत्व वस्तुनिष्ठता।

Unit 5 – Quantitative Research Techniques, Techniques and Methods of qualitative Research, Participant observation, Ethnography.


इकाई 5 – परिमाणात्मक अनुसंधान, प्रविधियां, गुणात्मक अनुसंधान की प्रविधियां एवं पद्धतियां, सहभागी अवलोकन, नृजातीय।

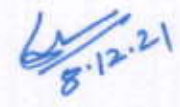

08/12/2021


8.12.21


08/12/2021


8/12/21


08/12/2021


8.12.21


Suet

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा (म.प्र.)

M.A. SOCIOLOGY

Semester – I

Paper III : Rural Society in India

भारत में ग्रामीण समाज

M.M. – 40

Unit I – Rural Society – Meaning Definitions, characteristics, Agrarian, Peasant and Folk Society : concept and characteristics, Village concepts, Types, Rural – Urban Distinction and Continuum.

इकाई 1 – ग्रामीण समाज का अर्थ, परिभाषा विशेषताएं खेतिहर कृषक एवं लोक समाज की अवधारणा एवं विशेषताएं। गांव की अवधारणा, गांव के प्रकार, ग्रामीण-नगरीय भिन्नता एवं समानता।

Unit II – Rural Social Institution : Family Religion, Marriage, Caste system and Changing talking place.

इकाई 2 – ग्रामीण सामाजिक संस्थाएं :- परिवार, धर्म, विवाह, जाति व्यवस्था और इनके बदलते प्रतिमान।

Unit III – Agrarian Relation in Rural Indian : Land ownership and its types Rural Economy in India : characteristics and Elements, Rural class Structure, Jajmani system, Agrarian Movements in India.

इकाई 3 – ग्रामीण भारत में कृषक संबंध :- भू-स्वामित्व और इनके प्रकार। भारत में ग्रामीण अर्थव्यवस्था विशेषताएं एवं महत्व। ग्रामीण वर्ग संरचना, जजमानी व्यवस्था, भारत के कृषक आन्दोलन।

Unit IV – Rural political Life : Rural elite and leadership-Past and present Fraction and Factionalism in rural India. Dominant caste in India. Emerging rural leadership and Development.

इकाई 4 – ग्रामीण राजनैतिक जीवन:- ग्रामीण अभिजात वर्ग एवं नेतृत्व परम्परागत एवं वर्तमान। ग्रामीण भारत में गुट एवं गुटबाजी, भारत में प्रभुजाति, ग्रामीण नेतृत्व के उभरते प्रतिमान एवं विकास।

Unit 5 – Rural Problem : Rural Poverty, Land less Labour, Untouchability, Emigration of people. Rural Education, Rural Health.

इकाई 5 – ग्रामीण सामाजिक समस्याएं:- ग्रामीण गरीबी, भूमिहीन श्रमिक, अस्पृश्यता, ग्रामीणों की प्रवासिता ग्रामीण शिक्षा, ग्रामीण स्वास्थ्य।

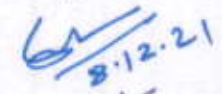


08/12/2021


8.12.21


8.12.2021


08/12/21


8.12.21


8/12

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा (म.प्र.)

M.A. SOCIOLOGY

Semester – I

Paper IV : Urban Society in India Part – I

भारत में नगरीय समाज

M.M. – 40

Unit I – Urban Sociology : Concept of Urban Sociology, scope and importance of Urban Study, Characteristics of Urban community, Changing Urban community.

इकाई 1 – नगरीय समाजशास्त्र : नगरीय समाजशास्त्र की अवधारणा, क्षेत्र एवं नगरीय समाजशास्त्र के अध्ययन का महत्व, नगरीय समुदाय की विशेषताएं, नगरीय समुदाय में परिवर्तन।

Unit II – Urban society in India : Causes and Impact of Urbanization, Changing patterns of Urbanization in Recent times.

इकाई 2 – भारत में नगरीय समाज : नगरीकरण के कारण एवं परिणाम, भारत में नगरीकरण की परिवर्तित प्रवृत्तियां (वर्तमान में)।

Unit III – Classification of Urban Centres, Indian city and its growth, causes of Urban development.

इकाई 3 – नगरीय केन्द्रों का वर्गीकरण, भारतीय नगर और विकास, नगरों के विकास के कारण।

Unit IV – Concepts of Occupation, Development, Changing Occupational Structure Social Mobility, Migration, Concepts, Causes & Types.

इकाई 4 – व्यवसाय की अवधारणा, व्यवसाय का विकास एवं परिवर्तित व्यवसायिक संरचना, सामाजिक गतिशीलता प्रवासन की अवधारणा, कारण एवं प्रकार।

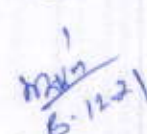
Unit 5 – Concepts of Town planning and its Components, Factors affecting & consequences of Urban planning, Problem of Urban Management in India.

इकाई 5 – नगर नियोजन की अवधारणा एवं महत्व, नगर नियोजन को प्रभावित करने वाले कारक एवं परिणाम, भारत में नगरीय प्रबंधन की समस्याएँ।



08/12/2021


8-12-21


6-12-21


08/12/2021


8-12-21


08/12/21


8/12